राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 20.00 संख्या 230

चुंबासम्राट

सुपर कमांडो ध्रुव

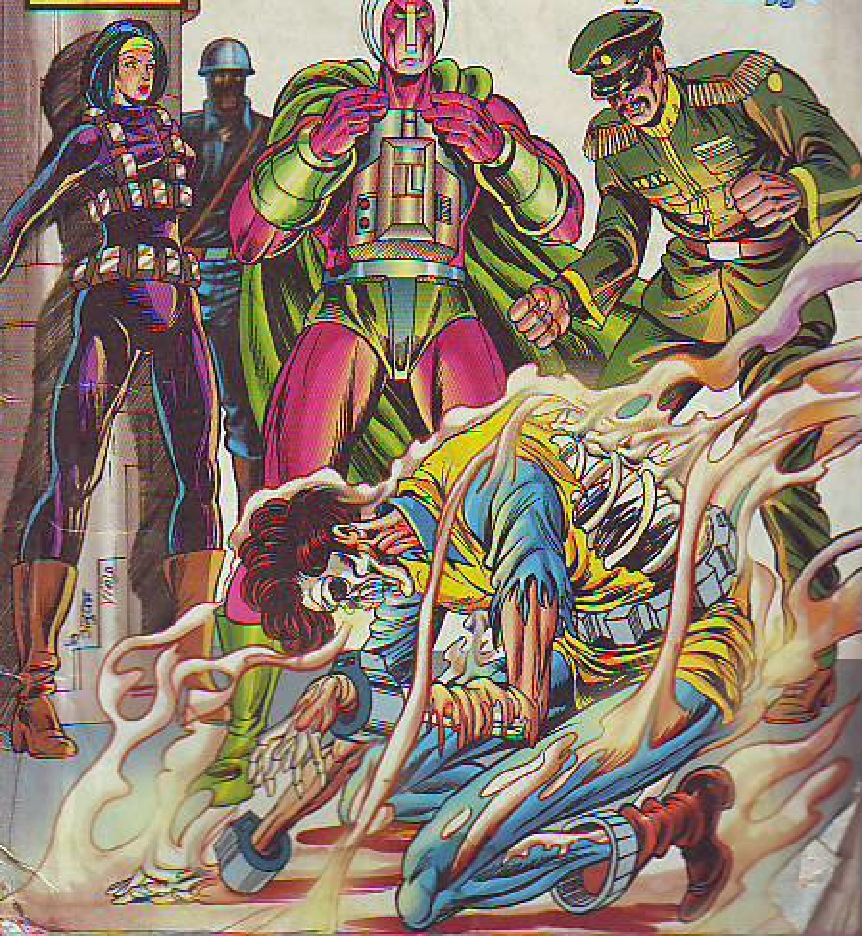

चुंबा को एक रहस्यमय शैतान ने एक खतरनाक हथियार के विषय में बताया और चुंबा ने उस हथियार की जानकारी पाने के लिए रखारा नाम के शख्स को श्यामली और उसके नाना के पास भेज दिया। मुठभेड़ में नाना घायल हो गए पर श्यामली जानकारी वाला कागज लेकर निकल भागी। ध्रुव से श्यामली की मुलाकात हुई और ध्रुव ने रखारा को पकड़ लिया। लेकिन रखारा ने जानकारी पहले ही चुंबा के पास फैक्स द्वारा भेज दी थी। चुंबा वह हथियार बनाने लगा। हथियार की जानकारी रखने वाले नाना जी को मारने के लिए उसने अस्पताल में अपने आदमी तरंगी को भेजा। लेकिन तरंगी भी ध्रुव से मात खा गया। टी.वी. साक्षात्कार के जरिए ध्रुव ने चुंबा को चुनौती दी और चुंबा तरंगी को छुड़ाने पुलिस लॉकअप में आ पहुंचा। ध्रुव को तरंगी ने मार डाला, चुंबा एस.पी. खान के हाथों पेट्रोल टैंक के धमाके से मारा गया। तब पता चला कि वह चुंबा का रोबोट था। असली चुंबा तो तरंगी को लेकर हैलीकॉप्टर द्वारा निकल भागा था। यहां तक की कहानी आप आया चुंबा में पढ़ चुके हैं अब पढ़ें इस कथा का शेष भाग...

चुंबा सम्राट

कथा: जॉली सिन्हा | चित्र: अनुपम सिन्हा | इंकिंग: विनोदकुमार, विट्ठल कांबले | सुलेख एवं रंग संयोजन: सुनील पाण्डेय | सम्पादक: मनीष गुप्ता

बड़ा कांटा ... की इजाजत दीजिए! ... बगैर ... चैन नहीं पड़ेगा।
...लेकिन अभी हमको जल्दी से जल्दी अपने अड्डे पर पहुंचना है! क्योंकि एक तो पुलिस के हैलीकॉप्टर अब हमारी तलाश में निकलते ही होंगे!...
तांत्रिक को तो हम जब चाहेंगे, चींटी की तरह मसल देंगे...
...और दूसरे मुझे ध्रुव की मौत की खबर सुननी है! ...ने ध्रुव को मार डाला! ये हैडलाइन सुनने को मेरे कान तरस रहे हैं!
मेरे भी बॉस!
लगभग एक घंटे बाद-
आ तरंगी! तूने ध्रुव को मारकर मुझे खुश कर दिया है! इसीलिए मैं तुझको बताता हूं कि तेरा बॉस अब कैसे दुनिया का बॉस बनने जा रहा है!
देख, इस लैब को! इसको तूने पहले कभी नहीं देखा है!

अब इन दो चुंबकों के बीच तैरते पदार्थ को ध्यान से देख!
मैं इसमें लोहे का यह मोटा पेंच उछालूंगा! और फिर…
इस 'यूनिवर्सल सॉल्वेंट' में! 'सर्वविलयक' में! जो हर चीज को अपने अंदर घोल सकता है! तेरे शरीर को भी!
शुभ-शुभ बोलो बॉस! वैसे जब हर पदार्थ इसमें घुल जाता है तो इसको रखा कहां जाता है?
चुंबकीय क्षेत्र में! सिर्फ एक तीव्र चुंबकीय क्षेत्र ही इसको अपने अंदर समेट सकता है! और तीव्र चुंबकीय क्षेत्र बनाना चुंबक के बांए हाथ का काम है!
सोच इससे क्या नहीं किया जा सकता है!
शायद
हीं हुआ है मूर्ख!
घुल गया है!

एक पूरी सेना को, एक शहर को, यहां तक कि अपने ऊपर गिरती मिसाइलों को भी इसमें घोलकर नष्ट किया जा सकता है!
यानी हम कहीं पर हमला कर सकते हैं, पर हम पर कोई हमला नहीं कर सकता!
अब इसकी ताकत से हम अपने छोटे से पड़ोसी देश पर कब्ज़ा करेंगे, और उसकी न्यूक्लियर ताकत से सारी दुनिया को धमकाएंगे!
सही समझे!
सारी दुनिया मानेगी चुंबा को अपना सम्राट! मज़ा आ जाएगा!
अब बॉस, न्यूज तो सुन लें! असली मज़ा तो इसी में है!
अरे, हां, हां! इस चक्कर में न्यूज को तो मैं भूल ही गया था!
और फिर-
आज लगभग एक घंटा पहले नानावटी चौकी पर एक दुस्साहिक रोबोट के हमले में एक एस.पी. समेत पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। एक अपराधी को छुड़ाने आए रोबोट को नष्ट कर दिया गया...
...किसी के मारे जाने की कोई खबर नहीं है। अब समाचार महाकुंभ से...
ये... ये क्या चक्कर है? खबरें सेंसर की जा रही हैं! न ध्रुव के मरने की खबर है, और न ही तेरे भाग निकलने की न्यूज़!
क्योंकि न तो कोई भागा है, चुंबा...

...और तूही कोई मरा है!
ध्रुव!
मरने का नाटक किया
वह पीटर था! कमांडो फोर्स का कैडेट!
ओह! बड़ा खतरा मोल लिया था उसने! अगर तेरे बजाय मैं खुद उसको मारने की ठान लेता तो?

तो मैं नगीना के वेष में भी तुमको पकड़ लेता! नगीना का वेष तो मैंने तुमको असावधान करके पकड़ने के लिए रखा था! लेकिन ऐन वक्त पर तुम्हारे पास से आती ग्रीस और 'लुब्रिकेटिंग ऑयल' की बदबू ने मुझे यह बता दिया कि वह तुम नहीं तुम्हारा रोबोट था!
और मुझे प्लान बदलना पड़ा! फिर मैंने भी रोबोट के साथ भागने का इरादा कर लिया...
...ताकि मैं तुम तक पहुंचकर तुम्हारा प्लान जान सकूं! और फिर इस प्लान को नेस्तनाबूद करके तुमको पकड़ सकूं!
ओह! तुम मुझे धोखा देने में कामयाब हो गए ध्रुव! लेकिन अपनी मौत को धोखा नहीं दे पाओगे!
इस वक्त तुम ग्रैंड के अड्डे में हो...
...और ग्रैंड के अड्डे में जान देने के कई तरीके मौजूद हैं!
ओह! इलेक्ट्रॉनिक हाथ!

हां! इलेक्ट्रॉनिक हाथ! वह भी एक नहीं दो हैं! एक से बचोगे तो दूसरा तुम्हारी हड्डियां तोड़ेगा, और ये दोनों हाथ रडार तरंगों की मदद से तुमको देख सकते हैं! इसलिए इनसे तुम बच नहीं सकते!
ऊऽऽऽह! एक से बचता हूं तो दूसरा आता है!... छिपने की कोई जगह नहीं है!
ओह! एक तरीका तो है मेरे पास! ये दोनों हाथ रडार तरंगों की मदद से मुझे देख रहे हैं। जहां भी जाऊंगा, ये मेरा पीछा नहीं छोड़ेंगे। अब जैसे ही ये हाथ मुझ पर हमला करने के लिए बढ़ेगा...
...मैं लपककर इस दूसरे हाथ पर चढ़ जाऊंगा!
और मेरे पास ऐसी कोई चीज नहीं है, जो इनको तोड़ सके!
अब ये हाथ मुझे मार नहीं सकता!

लेकिन दूसरा हाथ, रडार पर अभी भी मुझे देख रहा है! वह नहीं रुकेगा! ...
...और तेज गति से बढ़ते हुए जब इन दोनों हाथों की टक्कर होगी...
...तो इन दोनों ही हाथों का मैकेनिज्म नष्ट हो जाएगा!
मेरे दोनों इलेक्ट्रॉनिक हाथ आपस में ही लड़ मरे, ध्रुव!
कोई बात नहीं! वैसे भी इन हाथों का मकसद, तुझे अधमरा करने के बाद पकड़ कर रखना था!
ताकि मेरी मैग्नेटिक आयरन बॉल तुझको वैसे ही तोड़ सके! जैसे लोहे के गोले इमारतों को तोड़ डालते हैं!

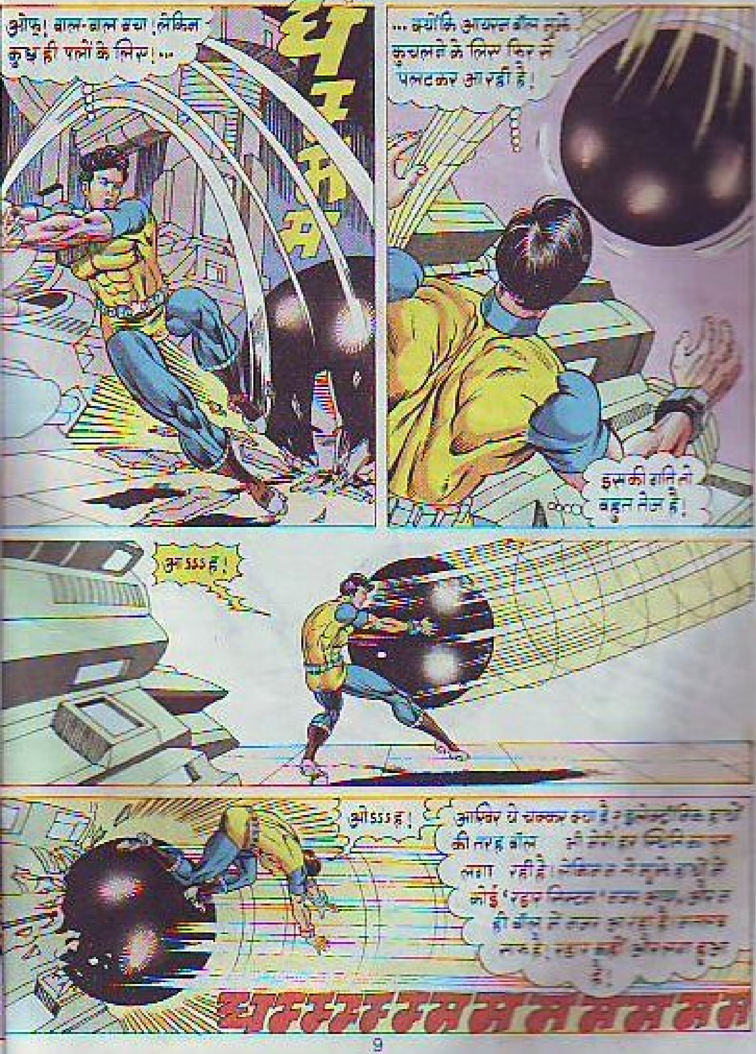
ओफ्! बाल-बाल बचा, लेकिन कुछ ही पलों के लिए! ...
... क्योंकि आयरन बॉल मुझे कुचलने के लिए फिर से पलटकर आ रही है!
इसकी गति तो बहुत तेज है!
आ ऽऽऽ ह!
ओ ऽऽऽ ह!

हा हा हा ! मुझे मालूम था कि तू दीवार का पता लगा लेगा ! लेकिन इसका बुलेटप्रूफ शीशा नहीं तोड़ पाएगा ! अब फिर से अपनी मौत से बचने की सोच !
अगर मैं शीशा नहीं तोड़ सकता...
...तो मेरी 'आयरन फिस्ट' इसको तोड़ेगी, और खुद अपनी आंख फोड़ेगी तुम्हारी!
अब बता ! और कौन-कौन सी मौत है तेरे अड्डे में ?

बहुत सारी तोपें हैं। लेकिन तुम कमरे में नहीं, दूसरे कमरे में!
अब तुझे वहीं मारूंगा!
बस! अब और नहीं धुंआ!
बहुत हो गया धमकियां देने का खेल!
अब तेरा खेल खत्म होने का समय आ गया है!
अब तू यहां तब तक दबा रहेगा, जब तक पुलिस आकर तुमको ले नहीं जाती!
शैतान देव! बचा मुझे इस दूसरे शैतान से!
श्याम खंड! श्याम खंड बचाऊंगा तुमको!

ध्रुव को अपने पीछे किसी के होने का आभास तो हुआ-
लेकिन तब तक बचने का समय खत्म हो चुका था-
अब मैं इसको 'मैग्नेटिक ब्लास्ट' से खत्म कर दूंगा! ये मेरे ब्लास्ट से बचने के लिए हिल भी नहीं पाएगा!
रुको थुंगा! मेरे पास एक बेहतर सुझाव है!
तुमने अभी तक 'सर्व विलयक' का प्रयोग किसी मनुष्य पर नहीं किया है! क्यों न सुपर कमांडो ध्रुव को वह पहला मनुष्य बनने का गौरव दिया जाए, जो 'सर्व विलयक' में घुलकर मरेगा!
ध्रुव पर बेहोशी ज्यादा देर तक हावी नहीं रही-
उसकी आंखें जल्दी ही खुल गईं-

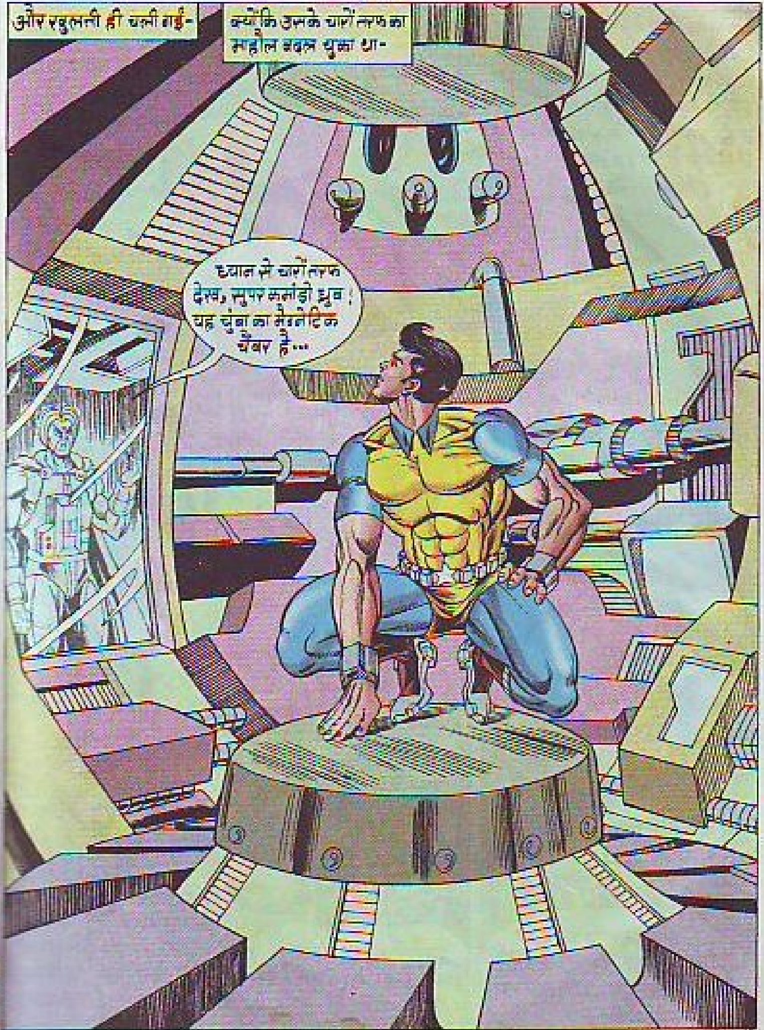
और खुलती ही चली गई-
क्योंकि उसके चारों तरफ का
माहौल बदल चुका था-
ध्यान से चारों तरफ
देख, सुपर कमांडो ध्रुव!
यह चुंबा का मैग्नेटिक
चैंबर है...

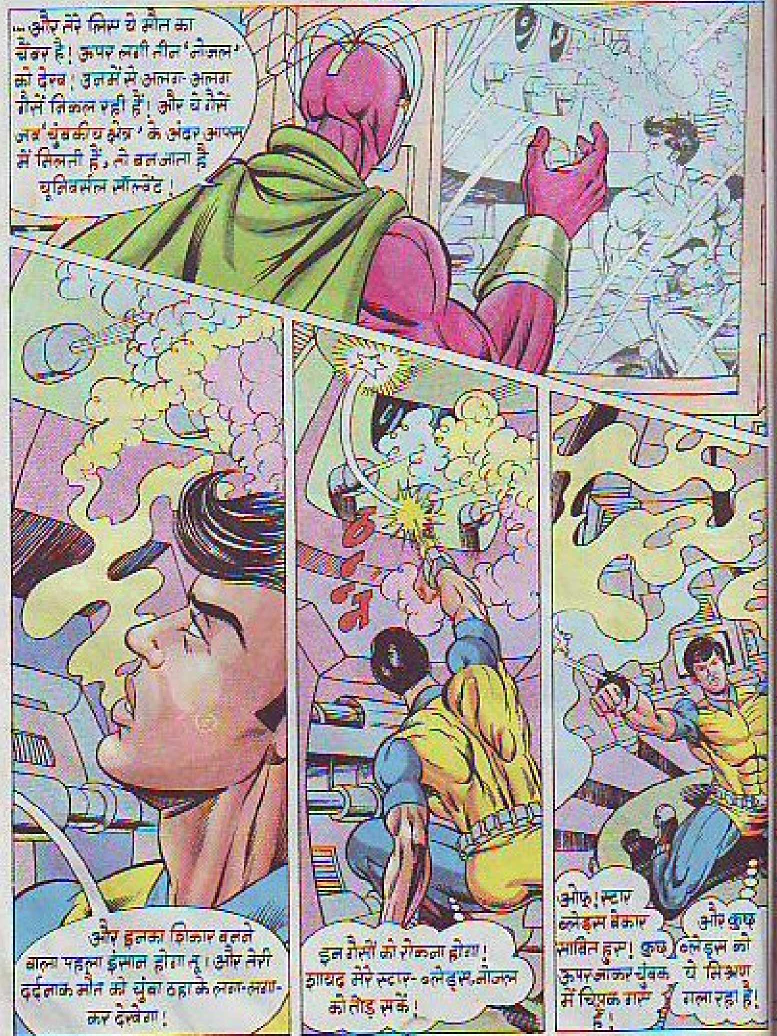
...और तेरे लिए ये मौत का चेंबर है! ऊपर लगी तीन 'नोजल' को देख! उनमें से अलग-अलग गैसें निकल रही हैं! और ये गैसें जब 'चुंबकीय क्षेत्र' के अंदर आपस में मिलती हैं, तो बन जाता है यूनिवर्सल सॉल्वेंट!
और इनका शिकार बनने वाला पहला इंसान होगा तू! और तेरी दर्दनाक मौत को ध्रुव वहां से लगा-लगा-कर देखेगा!
इन गैसों को रोकना होगा! शायद मेरे स्टार-ब्लेड्स, नोजल को तोड़ सकें!
ओफ्फ! स्टार ब्लेड्स बेकार साबित हुए! कुछ ऊपर जाकर चुंबक में चिपक गए हैं!
और कुछ ब्लेड्स को ये मिश्रण गला रहा है!

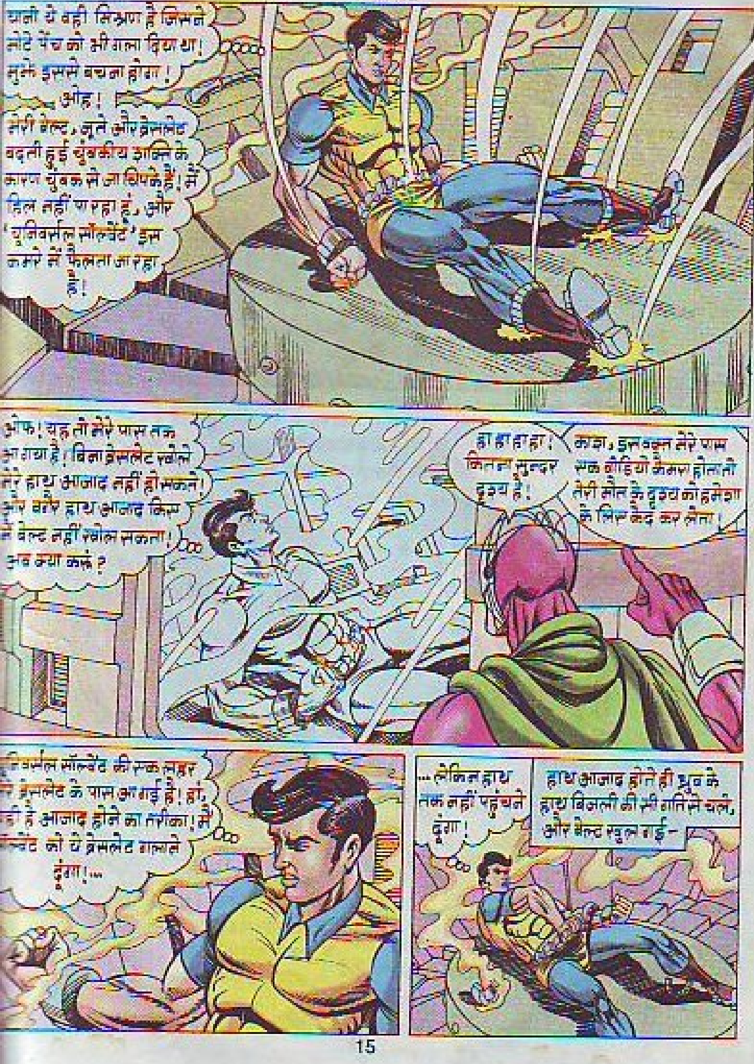
यानी ये वही सिक्वण है जिसने मोटे पेंच को भी गला दिया था! मुझे इससे बचना होगा!
ओह! मेरी बेल्ट, जूते और ब्रेसलेट बढ़ती हुई चुंबकीय शक्ति के कारण चुंबक से जा चिपके हैं! मैं हिल नहीं पा रहा हूं, और 'यूनिवर्सल सॉल्वेंट' इस कमरे में फैलता आ रहा है!
ओफ! यह तो मेरे पास तक आ गया है! बिना ब्रेसलेट खोले मेरे हाथ आजाद नहीं हो सकते! और मेरे हाथ आजाद किए मैं बेल्ट नहीं खोल सकता! अब क्या करूं?
हा हा हा हा! कितना सुन्दर दृश्य है!
काश, इस वक्त मेरे पास एक वीडियो कैमरा होता तो तेरी मौत के दृश्य को हमेशा के लिए कैद कर लेता!
यूनिवर्सल सॉल्वेंट की एक लहर मेरे ब्रेसलेट के पास आ गई है! हां, यही है आजाद होने का तरीका! मैं सॉल्वेंट को ये ब्रेसलेट गलाने दूंगा!...
...लेकिन हाथ तक नहीं पहुंचने दूंगा!
हाथ आजाद होते ही ध्रुव के हाथ बिजली की सी गति से चले, और बेल्ट खुल गई—

मैं चुंबक से तो आजाद हो गया! पर अब क्या करूं? बाकी सारी चीजें चुंबकीय क्षेत्र के बाहर हैं। सिर्फ मैं ही इस क्षेत्र के अंदर फंसा हुआ हूं! और ये मिश्रण धीरे-धीरे पूरे कमरे में फैलता जा रहा है!
अब तू मरेगा ध्रुव! गल-गलकर मरेगा!
ये लड़का सच कह रहा है चुंबा! मुझे कुछ वाहनों के इधर ही आने का आभास हो रहा है। यहां से तुरंत निकल लो!
चलो!
मैं तो शायद न बचूं चुंबा! लेकिन तू भी नहीं बचेगा! मैंने पुलिस हेड-क्वार्टर में सिग्नल भेज दिए हैं। कुछ ही देर में पुलिस फोर्स तेरे अड्डे को घेर लेगी!
ध्रुव की मौत का नजारा देखे बगैर ही?
हमारा मकसद ध्रुव की मौत से बड़ा है चुंबा! हमको दुनिया पर राज करना है! समय व्यर्थ मत करो!
चुंबा और शैतान पलभर में वहां से गायब हो चुके थे-

कहानी 19 पेज से

और ध्रुव भी कुछ ही पलों बाद गायब होने वाला था-
चुंबकास्त्र न जाने कहां गायब हो गया? कहीं...
ऊऽऽऽ
बूट!
ओऽऽऽह! 'यूनिवर्सल सॉल्वेंट' का स्पर्श होते ही बूट का चमड़ा गल गया! शुक्र है कि मेरी चमड़ी बच गई! लेकिन कब तक?
सिर्फ चुंबकीय क्षेत्र को नष्ट करके ही इस सॉल्वेंट को नष्ट किया जा सकता है। लेकिन चुंबकीय क्षेत्र कैसे नष्ट होगा? आग से? लेकिन आग को मैं जलाऊंगा कैसे? और जला भी लिया तो इस बंद कमरे में मैं खुद भी इसमें जलकर मर जाऊंगा!
फिर क्या करूं? समझ गया!
मेरी बेल्ट अभी सलामत है! मुझे बेल्ट में से 'अग्नि-कैप्सूलों' को निकालना होगा!

और ये एसिड कैप्सूल इन पेंचों को गलाने का काम करेंगे! पेंचों के गलने से यह चुंबक आजाद हो जाएगा...
अब दोनों चुंबकों के बीच में फैला चुंबकीय क्षेत्र उन तक ही सिमटकर रह गया है। साथ ही 'यूनिवर्सल सॉल्वेंट' भी इस कमरे की दीवार को गलाता हुआ खुद भी नष्ट हो रहा है!
और तीव्र आकर्षण के कारण कुमार के चुंबक से जा चिपकेगा!
अब देखता हूं कि चुंबक कहां गया?

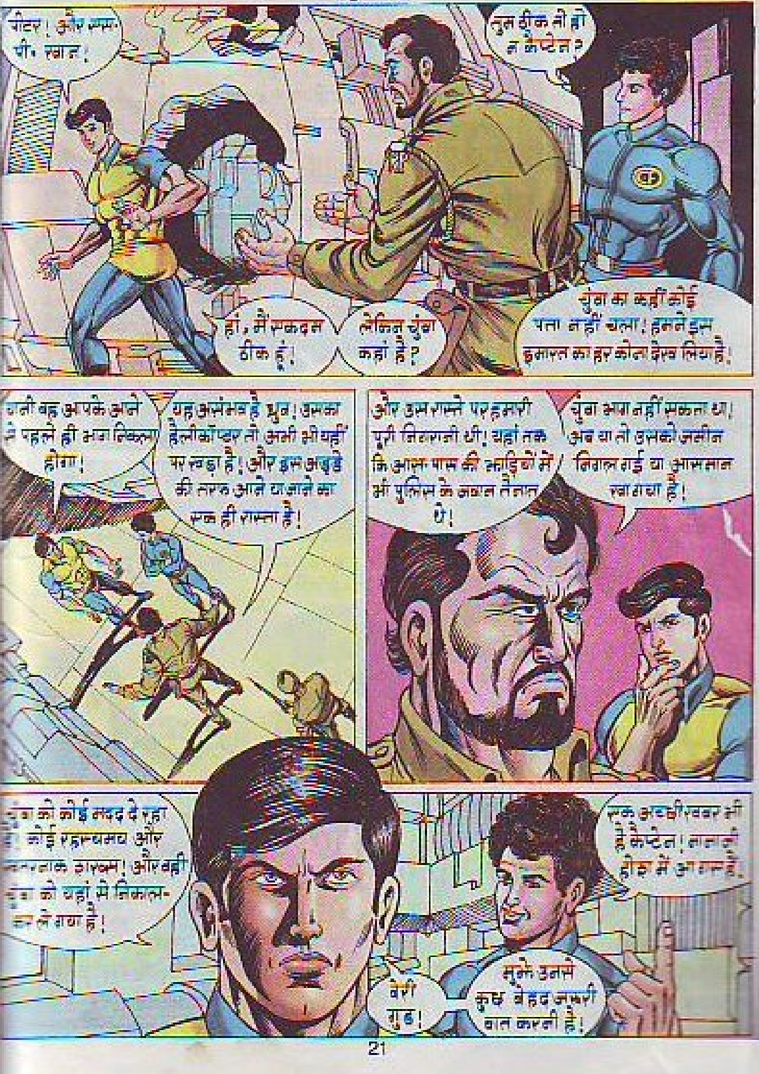
पीटर! और एम. पी. रवान!
तुम ठीक तो हो न कैप्टेन?
हां, मैं एकदम ठीक हूं!
लेकिन चुंबा कहां है?
चुंबा का कहीं कोई पता नहीं चला! हमने इस इमारत का हर कोना देख लिया है!
वह आपके आने से पहले ही भाग निकला होगा!
यह असंभव है ध्रुव! उसका हेलीकॉप्टर तो अभी भी यहीं पर खड़ा है! और इस अड्डे की तरफ आने या जाने का एक ही रास्ता है!
और उस रास्ते पर हमारी पूरी निगरानी थी! यहां तक कि आस पास की झाड़ियों में भी पुलिस के जवान तैनात थे!
चुंबा भाग नहीं सकता था! अब या तो उसको ज़मीन निगल गई या आसमान खा गया है!
को कोई मदद दे रहा कोई रहस्यमय और ! और वही को वहां से निकाल- ले गया है!
वेरी गुड!
मुझे उनसे कुछ बेहद ज़रूरी बात करनी है!

और फिर अस्पताल में-
मुझे मालूम है ध्रुव, कि उस कागज में 'सर्व-विलयक' बनाने की विधि थी। इसीलिए मैं उस कागज को हर कीमत पर बचाना चाहता था! लेकिन अब ऐसा क्या हो सकता है? वह कागज तो नष्ट हो गया है!
आपको 'सर्व-विलयक' की काट बनानी होगी लालाजी!
अगर यह पता चल सके कि उस कागज में क्या लिखा था तो 'सर्व विलयक' की काट को मैं तो क्या, श्यामली भी बना सकती है। लेकिन अब यह हो नहीं सकता। क्योंकि सिर्फ चुंबा को ही यह पता है कि उस कागज में क्या लिखा था।
ये देखो ध्रुव! रहस्य द्वारा फाड़े उस कागज को मैंने चिपकाने की भी कोशिश की थी! लेकिन इसके कुछ टुकड़े एसिड में गल कर नष्ट हो गए हैं!
और और उन टुकड़ों के बिना यह पता नहीं चल सकता कि सर्व-विलयक को बनाने का फार्मूला क्या है? हम ये लड़ाई हार चुके हैं ध्रुव!
चुंबा के पास इस वक्त दुनिया का क्या ब्रह्मांड का सबसे खतरनाक हथियार है।
उसको कोई नहीं रोक सकता ध्रुव! कोई भी नहीं!
नहीं! पाप की कभी जीत नहीं हो सकती!
चुंबा को मैं रोकूंगा! हर कीमत पर रोकूंगा! बस एक बार यह पता चल जाए...
—कि चुंबा इस वक्त कहां है?

भारत के उत्तर-पश्चिम में स्थित एक छोटा सा मगर न्यूक्लियर ताकत से युक्त देश पाकिस्तान! जो भारत में आतंकवादी गतिविधियां फैला-फैला कर भारत के लिए हमेशा सिरदर्द पैदा करता रहा है—
प्रधानमंत्री जी!
मेरा मशहूर जनरल अकरम और आतंकवादी गुटों के चीफ मकसूद खान! दोनों एक साथ हमारे यहां तशरीफ लाए हैं! और वह भी इस वक्त!
खैरियत तो है!
हमारा पूरे देश पर कब्जा करने का प्लान आखिरी मुकाम पर है जनाब!
अभी नहीं जनरल! हिन्दुस्तान बहुत बड़ा देश है। सिर्फ एक-दो शहरों में गड़बड़ी फैलाकर हिन्दुस्तान पर कब्जा नहीं किया जा सकता!
हम हिन्दुस्तान की नहीं...
...पाकिस्तान की बात कर रहे हैं प्रधानमंत्री जी!
हम आपकी सत्ता को पलटने आए हैं!
ये... ये क्या गुस्ताखी है?

तुम अब कैद में हो!
नज़रबंद!
अच्छा! एक बात और बता दो, जनरल अशरफ!
नकमूद का मालिक मैं हूँ प्रधानमंत्री, और मेरा मालिक है...
...शैतान!
और शैतान ने आदेश दिया है...
...फिर सारी दुनिया पर हुकूमत करेंगे...
अब इस देश पर राज करेगा कौन? तुम या फिर नकमूद?
...सम्राट चुंग!
चुंग! ... मतलब है?
वैसे मैं जानता था कि तुम एक दिन ऐसी हरकत करोगे जनरल! इसीलिए मैंने इसका इंतजाम पहले ही कर लिया था!

ग्रीन ब्रिगेड!
ये है तुम्हारी हरकत का जवाब जल्लाद! स्पेशल ट्रेनिंग पाए जांबाज कमांडोज का हमला!
इनका निशाना कभी नहीं चूकता। ये मौत से नहीं डरते। और इनके हथियार, सेना की एक पूरी बटालियन को खत्म कर सकते हैं!
तुम मेरे कैदी हो जल्लाद!
नहीं! यह नहीं हो सकता! इनको धुंआ सम्राट रोकेंगे! अगर शैतान ने इनको चुना है तो इनमें जरूर कोई पॉवर होगी! दिखाइए अपनी शक्ति धुंआ सम्राट, और खत्म कर दीजिए इन कीड़ों को!
पॉवर तो मैं दिखाऊंगा, जल्लाद! ब्रिगेड सबसे पहले इस जोकर को मौत के घाट उतार दो!

आऽऽह! हमारा गोला, पलट कर हम पर ही आ फटा!
चुंबकीय क्षेत्र मेरी हर चीज को घुमाकर वापस फेंक देता है, कमांडोज!
मुझे तुम लोगों को मारने की बिल्कुल भी इच्छा नहीं है। मेरी हुकूमत कुबूल कर लो, और चैन से जियो।
हम प्रजातांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार की नौकरी करते हैं, किसी गुंडे मवाली की नहीं!
मुझे यह जानकर बहुत अफसोस हुआ कि तुम लोगों को अपनी जिंदगी सचमुच प्यारी नहीं है।
यह हम पर पारदर्शी गोले छोड़ रहा है! इनमें कोई गैस नहीं है!
मास्क पहन लो!
ये सैन्थेटिक कणों से बने गोले हैं! और इनमें कोई गैस नहीं भरी है...

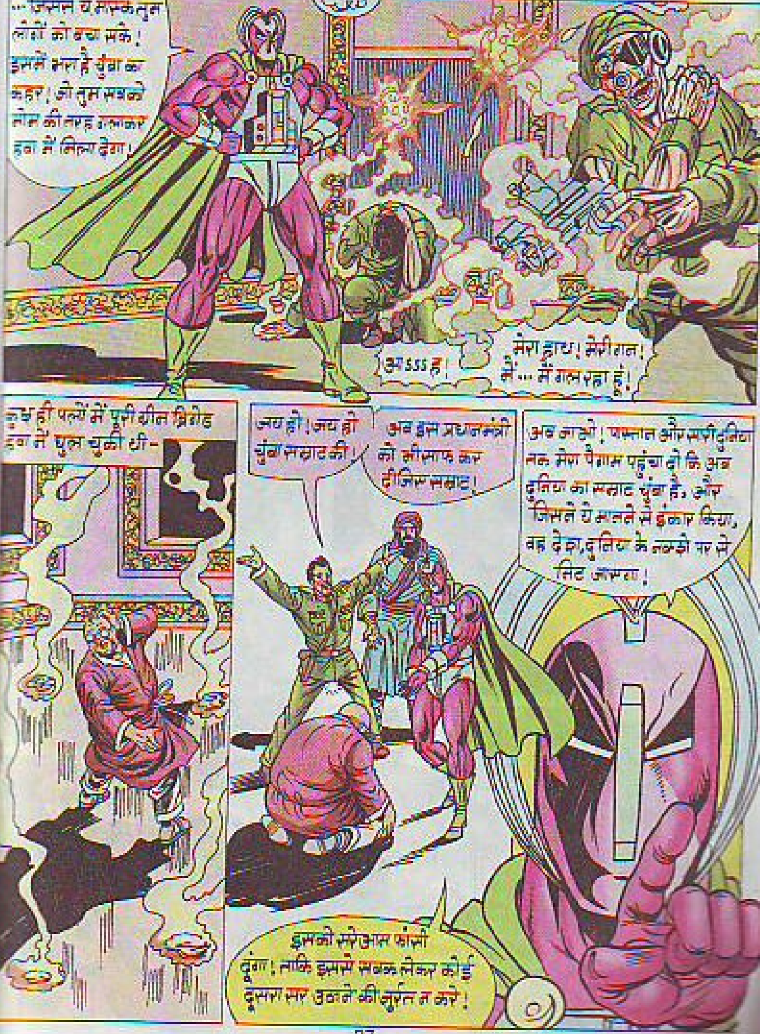
...जिसने ये सोचा कि तुम लोगों को बचा सके! इससे भला है धुंआ का कहर, जो तुम सबको मोम की तरह उड़ाकर हवा में मिला देगा!
अ ऽऽऽ ह!
मेरा हाथ! मेरी खाल! मैं... मैं गल रहा हूं!
कुछ ही पलों में पूरी ग्रीन ब्रिगेड हवा में घुल चुकी थी—
जय हो! जय हो धुंआ सम्राट की!
अब इस प्रधानमंत्री को भी साफ कर दीजिए सम्राट!
अब जाओ! पाकिस्तान और सारी दुनिया तक मेरा पैगाम पहुंचा दो कि अब दुनिया का सम्राट धुंआ है, और जिसने ये मानने से इंकार किया, वह देश, दुनिया के नक्शे पर से मिट जाएगा!
इसको सरेआम फांसी दूंगा! ताकि इससे सबक लेकर कोई दूसरा सर उठाने की जुर्रत न करे!

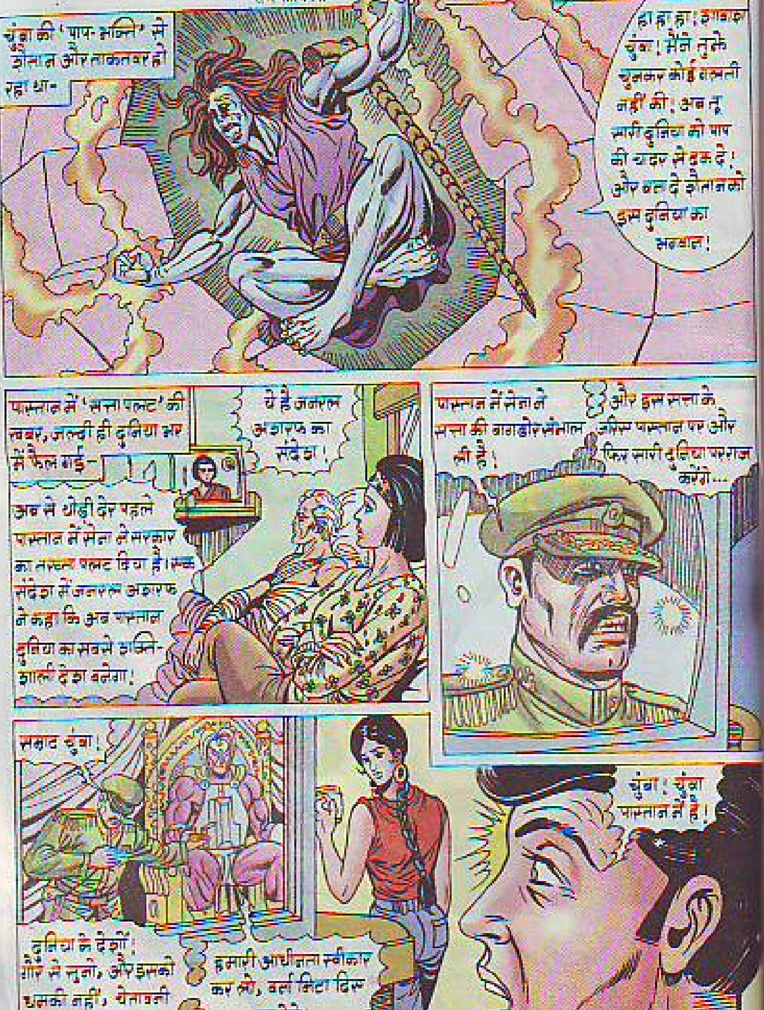
चुंबा की 'पाप-शक्ति' से शैतान और ताकतवर हो रहा था–
हा हा हा! शाबाश चुंबा! मैंने तुझे चुनकर कोई गलती नहीं की! अब तू सारी दुनिया को पाप की चादर में ढक दे! और बना दे शैतान को इस दुनिया का भगवान!
पास्तान में 'सत्ता पलट' की खबर, जल्दी ही दुनिया भर में फैल गई–
ये हैं जनरल अशरफ का संदेश!
अब से थोड़ी देर पहले पास्तान में सेना ने सरकार का तख्ता पलट किया है। एक संदेश में जनरल अशरफ ने कहा कि अब पास्तान दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश बनेगा!
पास्तान में सेना ने सत्ता की बागडोर संभाल ली है!
और इस सत्ता के जरिए पास्तान पर और फिर सारी दुनिया पर राज करेंगे...
सम्राट चुंबा!
दुनिया के देशों! गौर से सुनो, और इसको धमकी नहीं, चेतावनी समझो!
हमारी अधीनता स्वीकार कर लो, वर्ना मिटा दिए जाओगे!
चुंबा! चुंबा पास्तान में है!

तुम्हें पाम्स्तान जाना होगा! धुंआ खोखली धमकी नहीं दे रहा है! वह चाहे तो 'यूनिवर्सल सॉल्वेंट' से सचमुच एक पूरे देश को हवा में मिला सकता है! उसे रोकना होगा!
नहीं ध्रुव! अब यह एक अंतर्राष्ट्रीय मामला बन चुका है! तुम्हारी ऐसी किसी भी हरकत का परिणाम युद्ध भी हो सकता है!
क्योंकि धुंआ केवल एक साधारण अपराधी नहीं, एक न्यूक्लियर शक्ति युक्त देश का तानाशाह है!
पहले स्थिति को पूरी तरह से साफ हो जाने दो! फिर अपने अगले कदम के बारे में सोचना!
आप ठीक कह रहे हैं पापा!
पाम्स्तान में-
हमारे मैसेज का दुनिया पर क्या असर हुआ है, जनरल?
सभी इसको मजाक समझ रहे हैं! अमेरिका ने तो आपको ही गद्दी छोड़ देने की चेतावनी दे डाली है!
यानी दुनिया को यह एहसास दिलाना होगा कि स्थिति गंभीर है!
एक लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल को तैयार करो! और उसका निशाना अमेरिका की किसी भी जगह पर फिक्स कर दो!

और पश्तान की क्या स्थिति है?
कई सैनिक दल 'तख्ता पलट' का विरोध कर रहे हैं! लेकिन मैंने हिन्दुस्तान पर कब्जा करने की आड़ में आतंकवादियों को पश्तान में शरण इसी दिन के लिए दे रखी थी! अब आतंकवादी मेरे सैनिकों के साथ, उन वफादार सैनिकों से लोहा ले रहे हैं!
युद्ध जारी है! पर जीत हमारी होगी!
गुड! मिसाइल छोड़ने की तैयारी करो!
और फिर अमेरिका में-
मिस्टर प्रेसीडेंट! मिस्टर प्रेसीडेंट!
उस पागल तानाशाह दुर्रानी ने एक मिसाइल दाग दी है! निशाना है अरब सागर में खड़ा हमारा एक लड़ाकू जहाज!
अब उसने हद कर दी है!
पहले 'इंटरसेप्टर मिसाइल' छोड़कर उस हमलावर मिसाइल को नष्ट कर दो!
और फिर लड़ाकू विमान भेजकर, पश्तान के उस प्रधानमंत्री निवास को नष्ट कर दो, जिसमें वह चूहा छुपा बैठा है!
ठीक है सर! मैं अभी आपका ऑर्डर 'बैटलशिप' तक पहुंचा देता हूं!
आदेश मिलते ही इंटरसेप्टर मिसाइल हमलावर मिसाइल को नष्ट करने के लिए बढ़ चली-

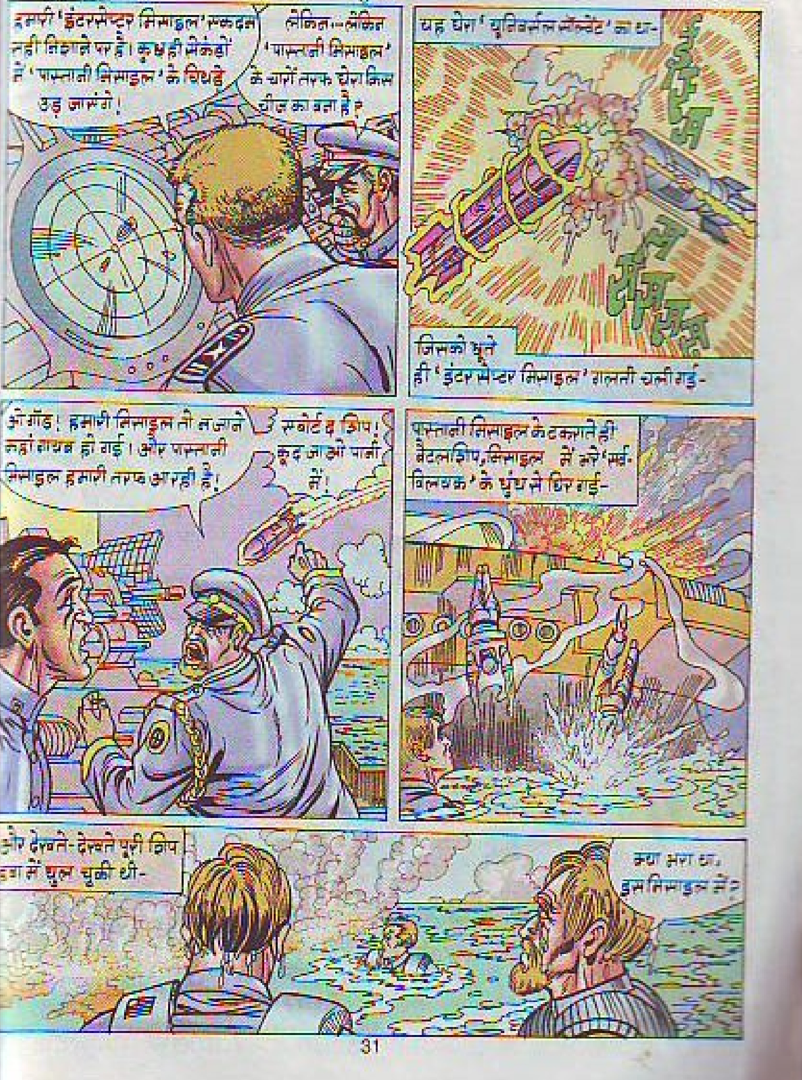
हमारी 'इंटरसेप्टर मिसाइल' एकदम सही निशाने पर है। कुछ ही सेकंडों में 'पास्तानी मिसाइल' के चिथड़े उड़ जाएंगे!
लेकिन...लेकिन 'पास्तानी मिसाइल' के चारों तरफ घेरा किस चीज का बना है?
यह घेरा 'यूनिवर्सल सॉल्वेंट' का था-
जिसको छूते ही 'इंटरसेप्टर मिसाइल' गलती चली गई-
ओ गॉड! हमारी मिसाइल तो न जाने कहां गायब हो गई। और पास्तानी मिसाइल हमारी तरफ आ रही है!
एबोर्ट द शिप! कूद जाओ पानी में!
पास्तानी मिसाइल के टकराते ही बैटलशिप, मिसाइल में भरे 'सर्व-विलयक' के धुंए से घिर गई-
और देखते-देखते पूरी शिप हवा में घुल चुकी थी-
क्या भरा था, इस मिसाइल में?

अमेरिका के राष्ट्रपति भवन में-
सर, सर! पूरी बैटलशिप हवा में घुल गई। किसी रहस्यमय हथियार का वार किया था धुंगा ने! अब हम लड़ाकू विमान भेजें या नहीं?
नहीं! धुंगा खोखली धमकियाँ नहीं दे रहा है! उससे बात-चीत की पेशकश करो! और इस बीच पता लगाओ कि वह किस हथियार का प्रयोग कर रहा है!
खुशखबरी है सम्राट! अमेरिका हमसे बात करना चाहता है!
हा हा हा! दुनिया का सबसे ताकतवर देश हमारे आगे घुटने टेक रहा है! जाओ, उनको फिर से हमारा पैगाम दो!
गुलामी या तबाही!
ही ही ही! अब दुनिया का राज मुझसे ज्यादा दूर नहीं है! जल्दी ही सारी दुनिया एक ही इंसान को सलाम करेगी, सम्राट धुंगा को!
सुपर कमांडो ध्रुव! हाँ, वह अभी जिन्दा है!
दुनिया के राज और तुम्हारे बीच में अभी एक रुकावट बची है धुंगा!
ये... ये कैसे हो सकता है! सुपर कमांडो ध्रुव कोई भगवान तो है नहीं, जो यूनिवर्सल सॉल्वेंट से बच सके!
सत्य की शक्ति उसके साथ है! पहले उसको खत्म करो! फिर दुनिया पर राज करने की सोचना!

पढ़िये 35 पेज से

अब ध्रुव मेरे लिए एक मच्छर
के बराबर है! पूरा पाताल तुमसे
कांपता है! पूरी दुनिया धुंआ के
नाम से थर्राती है! ध्रुव अब
तेरा कुछ बिगाड़ नहीं सकता।
तुम बहुत बड़ी गलती करने जा रहे हो धुंआ! ध्रुव यहां पर आएगा! जरूर आएगा, और तुमको धूल में मिलाकर चला जाएगा।
तूने धुंआ सम्राट से ऐसी बात कहने की गुस्ताखी कैसे की? अब मुझे न तो तेरी सलाह की जरूरत है शैतान देव, और न ही तेरी!
ये रहा तेरा श्याम खंड! पकड़ इसे और दफा हो जा यहां से!
श्याम खंड को फेंककर
ने मेरा और अपना संबंध
तोड़ दिया है धुंआ! अब तेरे
मेरे किसी काम के नहीं
है! लेकिन फिर भी मैं तुझे
दूंगा नहीं! क्योंकि तू पाप
रहेगा तो पापी भी बढ़ेंगे!
शैतान यही चाहता
है!
न सफल हो धुंआ!
राजनगर में —
अमेरिकी सरकार ने अपनी एक शिप नष्ट होने के बाद धुंआ से बातचीत की पेशकश की है। पूरी दुनिया इसे अमेरिका की हार समझ रही है! धुंआ ने पाताल के अपहृत प्रधानमंत्री को परसों सरेआम फांसी देने का ऐलान किया है। भारती न्यूज के लिए मैं शीला भल्ला पाताल से...
देख लीजिए नानाजी! धुंआ दुनिया को बरबाद कर रहा है! आपको 'सर्व विलयक' का तोड़ ढूंढना ही होगा।

दो रास्ते हैं ध्रुव! या तो चुंबा से सर्व विलयक का फार्मूला हासिल किया जाए या फिर सर्व विलयक का विश्लेषण करके उसमें मौजूद तत्वों का पता लगाया जाए!
फिर 'सर्व विलयक' की काट बन सकती है!
एक रास्ता है। लेकिन उसके लिए मुझे नागराज से संपर्क करना होगा!
और दोनों के लिए ही हमें पास्तान जाना पड़ेगा!
लेकिन हम पास्तान में घुसेंगे कैसे? और फिर चुंबा तक कैसे पहुंचेंगे?
और फिर- पास्तान की राजधानी के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर-
हम 'भारती न्यूज चैनेल' के रिपोर्टर बनकर पास्तान तो आ गए ध्रुव! लेकिन अब हम चुंबा तक कैसे पहुंचेंगे?
चुंबा तक पहुंचने के लिए उसकी ताकत को खत्म करना होगा! य की जनता को चुंबा के खिलाफ खड़ा करना होगा! और यह का सिर्फ एक शख्स कर सकता है!
पास्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री!
उनको आजाद क होगा हमल

और प्रधानमंत्री को कहां पर कैद किया गया है, ये हमको बताएंगी भारती न्यूज की रिपोर्टर!
और हीना भल्ला! रिपोर्टर भारती न्यूज. ये श्यामली है हीना!
ध्रुव एंड श्यामली! तुम्हारे बारे में लेडिज भारती ने हमको खबर भेज दी थी...
...अब बताओ कि चलना कहां है?
और फिर-
ये देखो ध्रुव! ये आर्मी जनरल अजगर का निवास है! यहीं पर प्रधानमंत्री कैद हैं, और कल उनको फांसी दी जाने वाली है!
जैसा कि तुम देख ही रहे हो कि चप्पे-चप्पे पर सैनिक तैनात हैं! छत पर 'एंटी एयरक्राफ्ट गन' भी फिट है! और बीच का रास्ता एकदम साफ है!
बगैर सैनिकों की नजर में आए मकान तक पहुंचना असंभव है!
किनारे बने लकड़ी के इन केबिन में क्या है?

यह जनरल अहरण के घोड़ों का अस्तबल है! कल मैं यहां पर प्रधानमंत्री का इंटरव्यू लेने आई थी! इंटरव्यू तो नहीं मिला, लेकिन इस केबिन के अंदर से घोड़ों के हिनहिनाने की आवाजें आ रही थीं!
ठीक है! अब मेरा प्लान तैयार है। तुम यहां से निकल जाओ, नीना! रेडी, श्यामली?
यस ध्रुव! मैं तैयार हूं!
थोड़ी ही देर बाद-
आहा! इतनी
खुशबू कहां से...
...आ रही है ऽऽऽ
अस्तबल के पास बस यही दो सैनिक थे!
धाड़
अब अस्तबल में घुसने का रास्ता साफ है श्यामली!
हम प्रधानमंत्री को छुड़ाने आए हैं या घोड़ों को छुड़ाने?
हिनन्ऽऽऽ ईईई

ये इस तरह हिनहिनाएंगे तो सैनिक यहां आ जाएंगे!
मैं इनको चुप कराता हूं!
हिनहीईईई
अरे वाह! ये तो सचमुच चुप हो गए!
तुम घोड़ों से बात कर सकते हो क्या?
घोड़ों से ही नहीं, मैं कई तरह के पशु-पक्षियों से बातें कर सकता हूं! मैं इन्हीं के साथ खेला और बड़ा हुआ हूं!
कमाल है!
हिननहीं SSS
क्या?
हिननन हिंहीही SSS
हिन हिनन हिंईई
इस घोड़े ने तुमसे क्या कहा, ध्रुव?
ये जनरल ... पर्सनल घोड़ा है। और इसने मुझे जो कुछ बताया है, वह ... है। सुनो!

कुछ ही देर बाद - वहां भगदड़ मच गई -
अरे, जनरल साहब के घोड़े कैसे छूट गए?
ये तो इनके घर की तरफ ही भाग रहे हैं। इन पर गोली चलाऊं क्या?
मूर्ख, जनरल साहब तुझे तोप से उड़ा देंगे! वे इन घोड़ों पर जान छिड़कते हैं। इनको पकड़ कर वापस अस्तबल में बंद कर!
भूलकर भी इन पर गोली मत चला देना।
देखा इच्छाधारी! ऐसे हम बिना सैनिकों की नजर में आए उस मकान तक पहुंच जाएंगे।
यू आर रियली जीनियस ध्रुव!

कुछ ही देर बाद-
हम अंदर आ गए हैं श्यामली!
और रास्ता भी साफ है! क्योंकि अब अंदर वाले सैनिक भी घोड़ों को पकड़कर अस्तबल में बांधने की कसरत में जुट गए हैं!
इसका भी हल है मेरे पास!
गुटरगूं! गुटर्र्र!
गुटर्र्र गुंगुंगुं कुं कुं गुटर्र
ये इसी मकान में रहने वाला कबूतर है। ये तुमको प्रधानमंत्री तक ले जाएगा!
लेकिन हमको ये कैसे पता चलेगा कि इतने बड़े घर में प्रधानमंत्री कहां पर कैद हैं?
तुम प्रधानमंत्री को आजाद कराओ, और मैं ध्रुव के 'टेबलापलट' की रस्में पूरी करता हूं! तुमको डर तो नहीं लग रहा है?
पहले लग रहा था! लेकिन अब नहीं लग रहा! तुम्हारे साहस ने मेरी हिम्मत भी बढ़ा दी है! गुडलक!
लेकिन भाग्य शायद श्यामली के साथ नहीं था-
देखो! वो लड़की! ये अंदर कैसे घुस आई? खत्म कर दो इसको!

भाग्य तो किसी का भी साथ, कभी भी छोड़ सकता है-
लेकिन एक चीज़ श्यामली को न तो कभी धोखा दे सकती थी, और न ही कभी उसका साथ छोड़ सकती थी-
उसका रसायन ज्ञान-
'अचेत रसायन' का वार करने का वक्त नहीं है! 'अम्लगल' के धुएं का वार करना होगा!
अरे! अरे! हमारी गोलियों को इस धुएं ने गला दिया!
श्यामली भी धमाके का जवाब धमाके से दे सकती है! बारूद का जवाब है शक्तिशाली विस्फोटक नाइट्रोग्लिसरीन!
ओह! धमाके सुन-
इनका रास्ता रोकेंगे मेरे 'लवण-वृक्ष'!
जो वायु के संपर्क में आते ही वृक्ष की तरह बढ़ कर इनका रास्ता रोक लेंगे!

अब मुझे थोड़ा सा वक्त मिल गया है! इसका उपयोग सैनिकों का रास्ता रोकने के लिए किया जाए! जगह-जगह अचेत रसायन की शीशियां रख देती हूं! इनकी लहरें सैनिकों के ऊपर आने से रोकेंगी!
उधर नली सैनिकों से टक्कर ले रही थी-
और ध्रुव किसी खास चीज की तलाश में भटक रहा था-
इस तहखाने में कोई आना-जाना नहीं है! यानी मुझे जिसकी तलाश है, वह मुझे यहीं पर मिलेगा!
तुम शायद मुझे ढूंढ रहे हो ध्रुव!
वेलकम!
जनरल अशरफ! और तुम मुझे जानते भी हो!
जनरल अशरफ, ध्रुव का नाम तो जान सकता है, पर शक्ल नहीं पहचान सकता! यानी मुझे सही सूचना मिली है!
...कि असली जनरल अशरफ यहीं पर कहीं कैद है! तुम जनरल अशरफ नहीं हो! कौन हो तुम?
ओह! यानी किसी ने गद्दारी की है शायद शैतानदेव ने! लेकिन उससे कोई फर्क नहीं पड़ता! ...क्योंकि मैं तुम्हें जुबान खोलने लायक छोड़ूंगा ही नहीं!

तो ठीक सुनो। मैं चुंबा का सेवक हूं। सिंबर। मैंने और चुंबा ने ही शैतान देव की मदद से जनरल को बन्दी बनाया, और फिर खुद जनरल बन गया। और जनरल इस घर में कहां पर कैद है। इसका पता मेरे और चुंबा के अलावा किसी को भी नहीं है।
उसको हमने सिर्फ इसलिए जिन्दा रखा है कि अगर हमारी योजना नाकाम हो जाए तो हम उसको सेना और यहां की जनता के हवाले करके खुद फूट लें।
अब ऐसा नहीं होगा। असली जनरल भी आजाद होंगे, और तुम लोग फूट भी नहीं पाओगे!

आऽऽऽह!
इन खतरनाक हथियारों से निपटने का और स्प्रिंग को बेहोश करने का सिर्फ एक ही रास्ता है!
इन हथियारों को पकड़-पकड़कर स्प्रिंगों को इनसे अलग करना होगा!
स्प्रिंगों को अलग करने का कोई फायदा नहीं होगा ध्रुव! मेरे पास ऐसे कई और हथियार हैं!
और अब वैसे भी सैनिक यहां पर आते ही वाले हैं!
उससे पहले ही मैं असली जनरल को ढूंढकर तुम्हारा खेल खत्म कर दूंगा!
मैंने कई स्प्रिंगों को हथियारों से अलग करके आपस में जोड़ लिया है! अब इस बड़ी स्प्रिंग के दोनों सिरों को दरवाजे में अटकाकर...
...मुझे स्प्रिंग के पीछे पहुंच जाना है!

और स्प्रिंगर के संभलने से पहले ध्रुव उसको पीछे धकेलता चला गया-
स्प्रिंग भी बीच से खिंचती चली गई-
और जैसे ही स्प्रिंग पर पड़ रहा दबाव हटा-
स्प्रिंगर, गुलेल में रखे कंकड़ की तरह उछलकर दीवार से जा टकराया-
तेरे लोहे के कवच पर असर डालने के लिए तेज 'फोर्स' की जरूरत थी, जो तेरी ही स्प्रिंगों से मिल सकती थी!
ऊँSSS हूं! मुझे घायल
करके अपने आपको जीता हुआ
मत समझो, ध्रुव! सुन कदमों
की आवाज! सैनिक इधर
ही आ रहे हैं!
तू भी नहीं बचेगा!

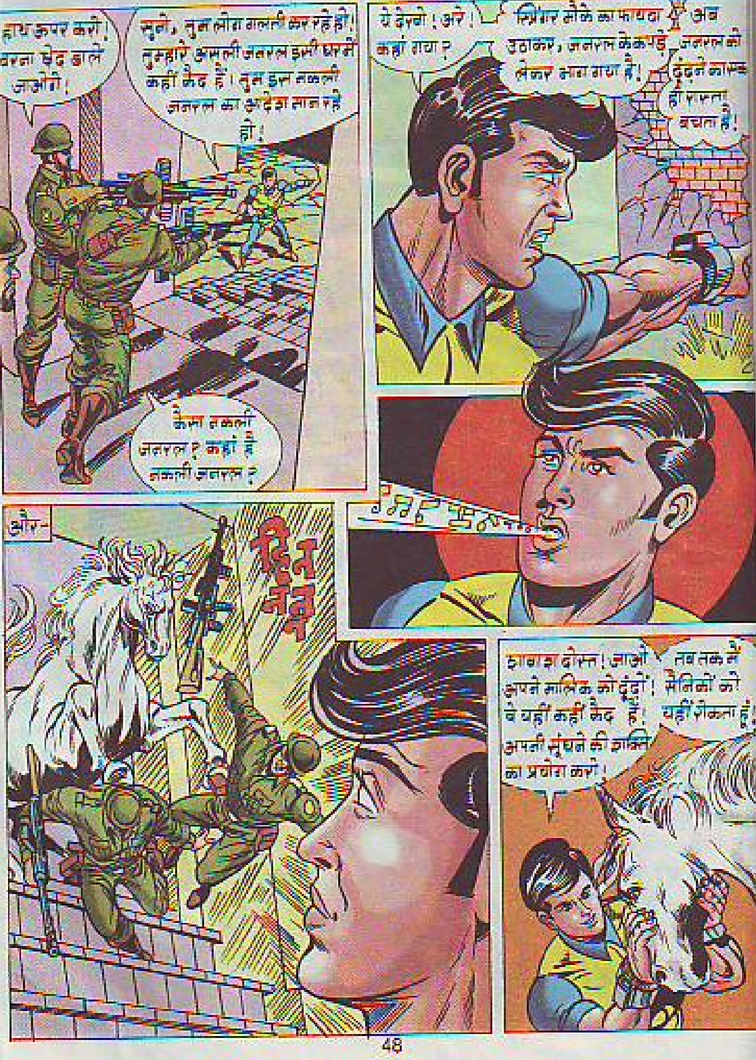
हाथ ऊपर करो! वरना छेद डाले जाओगे!
सुनो, तुम लोग गलती कर रहे हो! तुम्हारे असली जनरल इसी घर में कहीं कैद हैं! तुम इस नकली जनरल का आदेश मान रहे हो!
कैसा नकली जनरल? कहां है नकली जनरल?
ये देखो! अरे! कहां गया?
मौके का फायदा उठाकर, जनरल के कपड़े लेकर भाग गया है!
अब जनरल को ढूंढने का काम ही बचता है!
और-
शाबाश दोस्त! जाओ अपने मालिक को ढूंढो! वे यहीं कहीं कैद हैं! अपनी सूंघने की शक्ति का प्रयोग करो!
तब तक मैं सैनिकों को यहीं रोकता हूं!

इच्छाधारी का कबूतर एकदम सही जगह पर ले आया था-
आहा! प्रधानमंत्री इस कमरे में कैद है! जब तक ये दोनों पहरेदार मेरी 'लॉफिंग गैस' सूंघकर हंसते रहेंगे, तब तक मेरा अल्ट्रा-गन इस ताले को जला देगा!
प्रधानमंत्री जी! जल्दी चलिए! आपकी जान खतरे में है!
मेरी जान?
मेरी नहीं, बल्कि तुम्हारी जान खतरे में है! मैं प्रधानमंत्री का डुप्लिकेट हूं! असली प्रधान-मंत्री तो अलमारी के अन्दर कैद है!
अब पलक भी झपकाई तो भेजा उड़ा दूंगा!
इच्छाधारी, दुश्मन के जाल में फंस चुकी थी-
और ध्रुव, फंसने वाला था-
खत्म कर दो! ये हिन्दुस्तानी है!
हमारे इरादों पर पानी फेरने आया है!
ओह! जिंगार फिर से जनरल का मेकअप करके वापस आ गया है!

अब तो सैनिकों की नजर से बचना असंभव है। इनके हाथों से हथियार छिनने होंगे! और वह भी जल्दी! लेकिन कैसे? ये तो लगातार गोलीबारी करके मुझे बेल्ट से कोई भी चीज निकालने का वक्त तक नहीं दे रहे हैं!
आहा! स्टिंगर के कुछ हथियार अभी भी यहां पड़े हुए हैं। स्प्रिंग सहित!
ये सैनिकों का ध्यान बंटाएंगे!
ओह! संभल-कर!
तू अपने पीछे देख!
तुम सब रुक जाओ! मैं इसको रॉकेट लॉन्चर से खत्म करता हूं!
बता, इस रॉकेट लॉन्चर से तू उछलकर बच पाएगा, या नहीं?

तभी-
अरे ! घोड़े पर भी जनरल अज़ारू हैं !
दो-दो जनरल !
दो नहीं, सिर्फ एक ! मैं ! ये नकली जनरल है !
इसने मुझे कई दिनों से यहां बन्दी बनाकर रखा था !
मैं यहां कैद हूं ?
पहले से ही जानता था ! इसने मुझे बताया, और मैं आपको छुड़ाने यहां पर आ गया ! लेकिन
सैनिकों ने मुझे घेर लिया ! और
भेजना पड़ा !
और फिर प्रधान-मंत्री को भी आजाद करा लिया गया ।
हम अमरीकियों से मदद की उम्मीद करते थे ! लेकिन मदद मिली तो हिन्दुस्तानी से !
शुक्रिया ध्रुव !
और तुम घोड़ों से बात भी कर सकते हो ! कमाल है ! कौन हो तुम ?
शुक्रिया कैसा ? आप हमारे पड़ोसी हैं ! आपकी शांति में ही हमारी शांति है !

बधाई हो चुंबा! तुम अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने में सफल रहे! असली जनरल को ढूंढ़ लिया गया है! सैनिकों को सच्चाई पता चल गई है! और अब सैन्य टुकड़ियां भी इसी तरफ आ रही हैं!
कैसे? कैसे हुआ यह सब? जरूर तुमने मुझसे बदला लेने के लिए ऐसा किया है!
ध्रुव! यह सब ध्रुव का किया-धरा है! यही वह मेरे हाथों मरने के लिए
गीदड़ की मौत उसे शहर तक खींच लाई है! लेकिन अब वह मेरा पाताल आ पहुंचा है!
कुछ नहीं बिगाड़ सकता!
मैं भला ऐसा क्यों करता? पापियों को मैं कभी नुकसान नहीं पहुंचाता! तुम जैसे पापी खुद अपना नुकसान कर लेते हैं!
ध्रुव को जिन्दा छोड़कर!
चुंबा के पास इस वक्त न्यूक्लियर मिसाइल दागने वाली चाबियां हैं। मैं दुनिया को तबाह कर दूंगा! और इस घर के अंदर तो कोई घुस ही नहीं सकता! क्योंकि इस घर के चारों तरफ 'सर्व विलयक' की दीवार खड़ी है!...
...तू देखता जा हैवान! चुंबा बगैर तेरी सलाह के कैसे दुनिया पर राज करता है!

और प्रधानमंत्री निवास के बाहर-
ओफ़! चारों तरफ सर्व विनाशक की दीवारें हैं! और अंदर धुंध 'न्यूक्लियर मिसाइल्स' की चाबियों के साथ बैठा हुआ है। वह उन्हें किसी भी समय छोड़ सकता है! श्यामली, तुम इस 'सर्व विनाशक' का विश्लेषण कर पाईं या नहीं?
नहीं ध्रुव! इसमें तो जो रसायन डालो, वह गल जाता है. धुंध से फार्मूला हासिल करना ही एकमात्र उपाय है!
लेकिन हम अंदर कैसे जाएं? कोई तो रास्ता होगा!
टैंक में बैठकर चले जाओ ध्रुव! जब तक टैंक गलेगा, तुम अंदर पहुंच चुके होगे!
टैंक के पहिए भी गलेंगे और टैंक बीच रास्ते में ही रुक जाएगा! फिर मरने के अलावा और कोई रास्ता नहीं होगा!
बस! ज़िंगर का लौह-कवच! उसे मंगाइए, जनरल!
लेकिन उसमें तो सिर्फ एक ही आदमी जा सकता है ध्रुव! मैं कैसे जाऊंगी?
पास में ही म्यूज़ियम है! उसमें प्राचीन काल का एक 'ज़िरह बख्तर' पड़ा हुआ है! शायद उससे तुम्हारा काम चल जाए!
और फिर-
कूद पड़ो 'सर्व विनाशक की धुंध में श्यामली! और भगवान से प्रार्थना करो कि यह घातक धुंध हमारे कवच को जल्दी न गलाए!
अब ओखली में सर दे ही दिया तो मूसलों से क्या डरना?
या खुदा! इन जांबाज़ों की हिफ़ाज़त करना!

चुंबा की तैयारियां भी लगभग पूरी हो चुकी थीं-
दुनिया का हर महत्वपूर्ण शहर, अब उन न्यूक्लियर मिसाइलों का निशाना बन चुका है जो इन घड़ियों को घुमाते ही तबाही फैलाने के लिए यहां से चल पड़ेंगी!
अब मुझे उस दूसरे कक्ष में जाना होगा, जहां पर इन घड़ियों को घुमाने वाला कंट्रोल है!
उस कमरे तक तू नहीं पहुंच पाएगा चुंबा! दुनिया के विनाश और तेरे बीच में खड़ा है...
धप!
तू... तू अंदर तक कैसे आ गया? शायद तेरी मौत यहां पर लिखी है! इस कमरे में!
इस पूरे घर को मैंने अपनी चुंबकीय प्रयोगशाला में बदल दिया है! अब देख, चुंबकीय शक्ति का नया कमाल!

अब इस कमरे में फैल रही चुंबकीय तरंगें, तुम दोनों के दिमाग के उन हिस्सों पर हमला करेंगी, जिनमें इंसान के अंजाने डर छुपे होते हैं! तरह-तरह की आकृतियां तुमको डराएंगी! तुम कुछ भी नहीं सोच पाओगे! ...
... और इसी बीच 'सर्व-विस्फोटक' से भरे चुंबकीय गोले तुमको दबाकर हवा बना देंगे!
अब मैं तो चला मिसाइलों को दागने!
ध्रुव! अजीब-अजीब सी आकृतियां नजर आ रही हैं! मुझे बहुत डर लग रहा है!
ह... मुझे भी नजर आ रही हैं! लेकिन डरो मत, श्यामली! डरो मत! संभाले रखो अपने आपको! हमको धुंआ को रोकना है! सर्व विस्फोटक की काट को ढूंढना है!

सर्व विलयक की काट! मज़ाक करना छोड़ो ध्रुव! मैंने बड़ी मुश्किल से अपने आपको बेहोश होने से बचाया हुआ है!
आऽऽऽ हूं! मैं भी कुछ सोच नहीं पा रहा हूं!
और अब चुंबकीय बोल्ट फट रहे हैं!
सर्व विलयक कमरे में फैल रहा है! ओह! क्या करूं? सर्व विलयक का फार्मूला कैसे हासिल करूं? ऐसी कोई चीज़ है, जिसे मैं नज़रअंदाज़ कर रहा हूं। कुछ है! पर क्या है? क्या है? सोचो ध्रुव, सोचो?
हां बस! याद आ गया!
इस कमरे में कंप्यूटर प्रिंटर वगैरह सभी कुछ है! इंटरनेट भी ज़रूर होगा! इंटरनेट पर करीम से संपर्क करता हूं!
मैं प्राचीन ग्रंथ को इसी के हवाले कर के आया था!
ध्रुव की उंगलियां 'की-बोर्ड' पर दौड़ने लगीं! उसे कुछ याद आ गया था! पर क्या?

अब क्वीन के जवाब का इंतजार करने और सर्व विलयक से बचते रहने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है!
बचो श्यामली!
ध्रुव के साथ साथ-
पूरी दुनिया भी एक खतरे में घिरी हुई थी-
ओह! बड़ी मेहनत के बाद दोनों चाबियाँ सही स्थान पर लग गई हैं!
अब इन लाल बटन के दबते ही सारी मिसाइलें अपने-अपने निशानों की तरफ उड़ चलेंगी!
इससे पहले मैं तुझे हवा में उड़ा दूंगा, चुंबा!
अरे! असंभव! असंभव!
तू बच कैसे गया? तू न तो पागल हुआ, और न ही सर्व विलयक तुझे गला पाया!
कैसे?

तेरी चुंबकीय तरंगें मेरा अंजाना डर भड़काकर मुझे पागल बनाना चाहती थीं! लेकिन ध्रुव के अंदर कोई अंजाना डर है ही नहीं! इसीलिए मैं अपने दिमाग को संतुलित रख पाया!
और रहा 'सर्वविलयक' तो उसकी काट श्यामली ने बना ली है! उसका फार्मूला तो हर समय हमारे पास था! बस हम उस तरफ ध्यान नहीं दे रहे थे!
वह ग्रंथ इतने दिनों तक बंद रखा रहा था कि उसकी कच्ची स्याही के हल्के निशान, पेजों के पीछे भी उभर आए थे। यह मैंने तब देखा था, जब अस्पताल में श्यामली ने मुझे टेप से जुड़ा हुआ कागज दिखाया था!
उस वक्त मैंने इस बात पर ध्यान नहीं दिया था! लेकिन अभी यह बात ध्यान आते ही मैंने अपने कमांडो करीम से 'सर्व-विलयक' के पहले वाले पेजों के पिछले हिस्से की फोटो मंगवा ली!
उसको उल्टा करके पढ़ने से हमको सर्व विलयक बनाने का फार्मूला तो नहीं मिला, लेकिन सर्व विलयक की काट बनाने का फार्मूला जरूर मिल गया!
श्यामली के पास सारे जरूरी रसायन मौजूद थे! और उसने 'सर्व विलयक' की काट बनाने में ज्यादा देर नहीं लगाई!
आऽऽऽह! मेरे...मेरे मैग्नेटिक कंट्रोल टूट गए!
आत्मसमर्पण कर दो!
तुम्हारी सारी शक्तियां खत्म हो गई हैं चुंबा!
कभी नहीं!

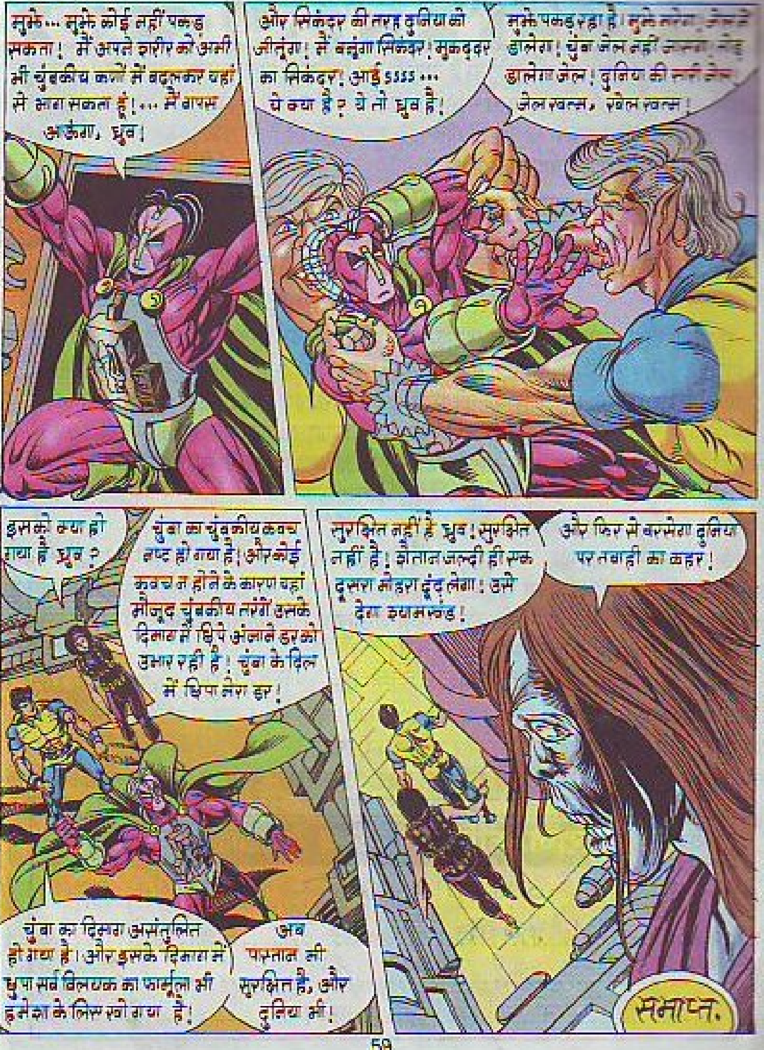
मुझे... मुझे कोई नहीं पकड़ सकता! मैं अपने शरीर को अभी भी चुंबकीय कणों में बदलकर यहां से भाग सकता हूं!... मैं वापस आऊंगा, ध्रुव!
और सिकंदर की तरह दुनिया को जीतूंगा! मैं बनूंगा सिकंदर! मुकद्दर का सिकंदर! आईं ssss... ये क्या है? ये तो ध्रुव है!
मुझे पकड़ रहा है! ... डालेगा! चुंबा जेल नहीं ... डालेगा जेल! दुनिया की ... जेल खत्म, खेल खत्म!
इसको क्या हो गया है ध्रुव?
चुंबा का चुंबकीय कवच नष्ट हो गया है! और कोई कवच न होने के कारण यहां मौजूद चुंबकीय तरंगें उसके दिमाग में छिपे अंजाने डर को उभार रही हैं! चुंबा के दिल में छिपा गहरा डर!
सुरक्षित नहीं है ध्रुव! सुरक्षित नहीं है! शैतान जल्दी ही एक दूसरा मोहरा ढूंढ लेगा! उसे देखा श्यामसिंह!
और फिर से बरसेगा दुनिया पर तबाही का कहर!
चुंबा का दिमाग असंतुलित हो गया है। और इसके दिमाग में छुपा सर्व विनाशक का फार्मूला भी हमेशा के लिए खो गया है!
अब पाताल भी सुरक्षित है, और दुनिया भी!
समाप्त.